भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 537
गुरुवार, 6 फ़रवरी, 2025/17 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाई कनेक्टीविटी का विस्तार

537. श्री अनिल यशवंत देसाई:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र में मुम्बई और दिल्ली को छोटे शहरों से जोड़ने के लिए राज्य में हवाई कनेक्टीविटी के विस्तार हेतु कोई पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) राज्य के उन छोटे विमानपत्तनों का ब्यौरा क्या है जहां आवश्यक सुविधाओं की कमी के कारण बड़े विमानों की लैंडिंग किए जाने पर कुछ प्रतिबंध हैं; और
(ग) क्या सरकार का बेहतर हवाई कनेक्टीविटी के लिए ऐसे छोटे विमानपत्तनों का उन्नयन करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): क्षेत्रीय संपर्क योजना – उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में नौ हवाईअड्डों अर्थात कोल्हापुर, जलगांव, सोलापुर, अमरावती, नांदेड़, नासिक, रत्नागिरी, गोंदिया और सिंधुदुर्ग की पुनरुद्धार हेतु और आरसीएस उड़ानों के परिचालन के लिए पहचान की गई है। इनमें से छह हवाईअड्डों अर्थात कोल्हापुर, जलगांव, नांदेड़, नासिक, गोंदिया और सिंधुदुर्ग को योजना के अंतर्गत पहले ही कार्यशील किया जा चुका है।

सोलापुर हवाईअड्डे को लाइसेंस प्रदान कर दिया गया है और यह प्रचालन के लिए तैयार है। अमरावती हवाईअड्डे का विकास कार्य पूरा हो चुका है और लाइसेंसिंग का कार्य प्रगति पर है। महाराष्ट्र सरकार ने एमएडीसी के माध्यम से रत्नागिरी हवाईअड्डे का विकास कार्य शुरू किया है, जिसके लिए 'असेवित हवाईपट्टियों का पुनरुद्धार/विकास' योजना के तहत 80 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

किसी भी हवाईअड्डे पर उतरने वाले विमान का अधिकतम आकार विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है, जिसमें रनवे की लंबाई, चौड़ाई और मजबूती, उपयुक्त एप्रन, टैक्सीवे आदि की उपलब्धता और हवाईअड्डे की अग्नि-श्रेणी शामिल है। महाराष्ट्र राज्य में परिचालन करने वाले विमानों की अधिकतम श्रेणी वाले छोटे हवाईअड्डों की सूची अनुलग्नक में दी गई है।

हवाईअड्डों पर अवसंरचना सुविधाओं का आधुनिकीकरण और विकास एक सतत प्रक्रिया है और इसे यात्री मांग पूर्वानुमान, विमान परिचालन की सुरक्षा के लिए परिचालन आवश्यकताओं और एयरलाइनों की मांग के आधार पर किया जाता है। विकास कार्य चरणबद्ध तरीके से भूमि की उपलब्धता और व्यवहार्यता के साथ-साथ इच्छित विमान परिचालन के संदर्भ में अन्य सुविधाओं के आधार पर किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने यातायात अनुमानों के आधार पर वर्ष 2047 तक एएआई हवाईअड्डों के लिए मास्टर प्लान तैयार किये

हैं। तदनुसार अवसंरचना अर्थात रनवे विस्तार, एप्रन विस्तार, टर्मिनल भवन आदि के निर्माण की शुरुआत और भूमि आवश्यकताओं की योजना बनाई गई है।

*****

अनुलग्नक

महाराष्ट्र राज्य में परिचालन करने वाले विमानों की अधिकतम श्रेणी वाले एएआई हवाईअड्डों की सूची

क्र. सं.	हवाईअड्डा	हवाई अड्डा संदर्भ कोड	विमान परिचालन की अधिकतम श्रेणी
1.	जलगांव	3 सी	एटीआर-72/600
2.	जुहू	2 बी	बी200
3.	कोल्हापुर	3 सी	एटीआर-72
4.	सोलापुर	2सी	एटीआर-42
5.	नांदेड़	3 सी	एटीआर-72/600